कोई मने कहिजो रे सांवरियो घर आवन की लिरिक्स

कोई मने कहिजो रे सांवरियो,
घर आवन की,
आवन की मन भावन की,
कोई मने कहिजो रे साँवरियो,
घर आवन की।bd।

आप नहीं आवे सांवरो,
लिख कोनी भेजे,
आ तो बण पड़ी है,
ललचावण की,
कोई मने कहिजो रे साँवरियो,
घर आवन की।bd।

ऐ दोय नैण मारो,
कयो कोनी माने,
ऐ तो नदियाँ बहे,
जैसे सावण की,
कोई मने कहिजो रे साँवरियो,
घर आवन की।bd।

मथुरा नगरी तो,
सांवरा दूर घणी है,
मारे पांख कोनी तो,
उड़ जावन की,
कोई मने कहिजो रे साँवरियो,
घर आवन की।bd।

मीरा के प्रभु,
गिरधर नागर,
मैं तो चेरी भई हूँ,
हरि ने पावन की,
कोई मने कहिजो रे साँवरियो,
घर आवन की।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कोई मने कहिजो रे सांवरियो,
घर आवन की,
आवन की मन भावन की,
कोई मने कहिजो रे साँवरियो,
घर आवन की।bd।

स्वर – संत श्री रामप्रसाद जी महाराज।
Upload By – Keshav

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com